**दिनांक :**

# प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

## डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली-एन.सी.आर.

## अर्धवार्षिक परीक्षा (2025-26)

## कक्षा - सातवीं

## विषय - हिंदी

**निर्धारित समय - 3 घंटे** **अधिकतम अंक - 80**

**सामान्य निर्देश -**

- इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं - खंड 'क', 'ख', 'ग' और 'घ'| सभी खंड अनिवार्य हैं|
- खंड 'क' में अपठित बोध पर आधारित दो प्रश्न पूछे गए हैं|
- खंड 'ख' में व्यावहारिक व्याकरण पर आधारित 4 प्रश्न पूछे गए हैं|
- खंड 'ग' में पाठ्य-पुस्तक पर आधारित 4 प्रश्न पूछे गए हैं तथा प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं|
- खंड 'घ' में रचनात्मक लेखन पर आधारित 4 प्रश्न पूछे गए हैं तथा प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं|
- बहुवैकल्पिक प्रश्नों के उत्तर उनके सही विकल्प तथा पूर्ण उत्तर के साथ लिखिए|
- प्रश्न पत्र में कुल 14 प्रश्न तथा 9 पृष्ठ हैं|
- उत्तर पुस्तिका में उत्तर के साथ वही क्रम संख्या लिखिए, जो प्रश्नपत्र में दी गई है और उत्तर क्रमानुसार लिखिए|
- प्रश्न-पत्र के पठन हेतु 15 मिनट का अतिरिक्त समय निर्धारित है|

### खंड-'क' (अपठित बोध)

**1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4+2=6)**

आज के समय में सबके सामने कंप्यूटर है| बच्चे माता-पिता से प्रश्न नहीं करते क्योंकि उन्हें कंप्यूटर चलाना आता है| कौन-सा ऐसा विषय है, जिसकी जानकारी कंप्यूटर पर नहीं है? बच्चे कंप्यूटर के सामने अधिक बैठते हैं और माता-पिता से संवाद कम करते हैं| पहले वे अपने माता-पिता को सर्वज्ञानी मानकर इतने प्रश्न करते थे, जिससे संवाद बनता था, परस्पर निकटता बढ़ती थी| आज तक मानव के विकास और प्रगति में जो भाव व कारण सबसे मुख्य रहा है, वह जिज्ञासा ही है| इस जिज्ञासा को परस्पर संवाद द्वारा शांत किया जा सकता है| अब कंप्यूटर ने इसका स्थान ले लिया है इसलिए अहंकार,

असहनशीलता और संबंधों में दूरी बढ़ने लगी है| बच्चों में ज्ञान का विस्तार, संवेदना, एक-दूसरे के प्रति प्रेम इन्हीं संवादों पर होता आया है| वह संवाद जो माता-पिता व बच्चों के बीच होता था, वही संवाद आज खोता जा रहा है| अकेलेपन और जड़ता की संस्कृति बढ़ रही है| हम बड़ी आसानी से इसके आदी बन जाते हैं और बिना किसी काम के भी हर समय इसके आगे बैठे रहते हैं और अपना समय बर्बाद करते हैं| इतना ही नहीं, इसका बुरा असर हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है| हमारी आँखें कमज़ोर होने लगती है और एक ही अवस्था में बैठे-बैठे हमारी कमर भी दुखने लग जाती है| परंतु यह भी सत्य है कि आज के समय में इसके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती इसलिए हमें किसी भी मशीन का आदी नहीं होना चाहिए और केवल ज़रूरत के अनुसार ही इसका प्रयोग करना चाहिए|

**(i) बच्चे अपनी जिज्ञासा शांत करने के लिए माता-पिता के पास नहीं जाते, क्योंकि- 1**

(क) बच्चे माता-पिता से नाराज़ रहते हैं|

(ख) बच्चों के सामने कंप्यूटर रहने लगा है|

(ग) बच्चे खेलने में व्यस्त रहते हैं|

(घ) बच्चों को माता-पिता पर विश्वास नहीं है|

**(ii) बच्चों द्वारा प्रश्न पूछे जाने का क्या लाभ होता है? 1**

(क) समाज का विकास　　(ग) शिक्षा का प्रचार-प्रसार

(ख) परस्पर विवाद व दूरी　　(घ) परस्पर संवाद और निकटता

**(iii) संवाद का स्थान कंप्यूटर ने ले लिया है| इससे क्या हानि हुई है? 1**

(क) बच्चे मैदान में खेलते रहते हैं|

(ख) अधिक आज्ञाकारी हो गए हैं|

(ग) अहंकार और असहनशीलता बढ़ी है|

(घ) पारस्परिक संवाद बढ़ा है|

**(iv) अभिकथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए- 1**

**अभिकथन (A):** हमें कंप्यूटर का अत्यधिक प्रयोग नहीं करना चाहिए|

**कारण (R):** कंप्यूटर के बिना जीवन संभव नहीं है|

(क) अभिकथन (A) सत्य है परंतु कारण (R) असत्य है।

(ख) अभिकथन (A) असत्य है परंतु कारण (R) सत्य है।

(ग) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

**(v) गद्यांश के अनुसार लिखिए कि पारस्परिक संवाद का बच्चों के व्यक्तित्व पर क्या प्रभाव पड़ता है? 2**

**2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (4+2=6)**

वाणी, प्राणी की पहचान है| जिस प्रकार कौए और कोयल की पहचान उनकी वाणी से हो जाती है, उसी प्रकार किसी व्यक्ति के आचार-विचार तथा व्यवहार की परख उसकी वाणी द्वारा हो जाती है| जैसे सुवासित फूल अपने सौंदर्य के साथ-साथ अपनी सुगंध से भी मन मोह लेते हैं, वैसे ही मधुर वाणी वाला व्यक्ति अपने विचारों से अधिक अपने बोलने के ढंग से लोगों को प्रभावित करता है। वाणी केवल शब्दों का समूह नहीं होती, यह हमारे व्यक्तित्व का आईना होती है। यदि वाणी में मधुरता हो तो कठोर से कठोर बात भी सहजता से कही जा सकती है। मीठी वाणी दूसरों को वश में करने की औषधि है| जब हम मधुर वाणी को सुनते हैं, तब हमारा चित्त प्रसन्न हो जाता है| सज्जन सदैव मधुर वाणी का ही प्रयोग करते हैं, जबकि दुर्जनों की वाणी कटु तथा कर्कश होती है| मीठी वाणी शत्रु को मित्र बना सकती है, निराश व्यक्ति में आशा-उत्साह का संचार कर सकती है| कटु वाणी हृदय में शूल की तरह चुभती है| इससे अपने भी पराए हो जाते हैं| इतना ही नहीं, कटु वाणी लड़ाई-झगड़ों, यहाँ तक कि बड़े युद्ध का कारण भी बन जाती है| द्रौपदी के कटु वचन महाभारत का कारण बने, ऐसा कहा जाता है| जिस व्यक्ति ने अपनी वाणी को वश में कर लिया और मधुर वचनों का प्रयोग सीख लिया, उसने मानो सब पा लिया| मधुर वाणी अमृत के समान काम करती है| वाणी का प्रभाव केवल सामाजिक जीवन तक ही सीमित नहीं रहता, बल्कि यह पारिवारिक, व्यावसायिक और राष्ट्र स्तर पर भी संबंधों की स्थिति को तय करता है, इसलिए वाणी को सोच-समझकर और संयमित ढंग से प्रयोग में लाना चाहिए।

**(i) व्यक्ति के किस पक्ष की परख उसकी वाणी द्वारा होती है?** 1

(क) बाहरी सौंदर्य की

(ख) उत्तम स्वास्थ्य की

(ग) रूप और आकार की

(घ) विचार और व्यवहार की

**(ii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए-** 1

1. मधुर वाणी निराश व्यक्ति के मन में आशा का संचार कर सकती है|
2. वाणी से केवल व्यक्तिगत स्तर पर परिवर्तन आता है|
3. वाणी से सामाजिक, पारिवारिक और राष्ट्रीय संबंधों पर प्रभाव पड़ता है|
4. कटु वचन युद्ध का कारण बन सकते हैं|
5. वाणी को वश में कर लेने से व्यक्ति सफल नहीं होता|

**उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/कौन-से विकल्प सही है/हैं?** 1

(क) केवल 3 सही

(ख) 1, 3 और 4 सही

(ग) 1 और 5 सही

(घ) 1, 2 और 5 सही

(iii) **गद्यांश के अनुसार, कटु वाणी का मनुष्य पर क्या प्रभाव पड़ता है?** **1**

(क) लोग प्रसन्न हो जाते हैं|

(ख) शूल की तरह चुभती है|

(ग) सभी आपके मित्र बन जाते हैं|

(घ) लोग आपकी प्रशंसा करते हैं|

**(iv) अभिकथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उचित विकल्प चुनकर लिखिए-** **1**

**अभिकथन : (A)** वाणी को सोच-समझकर और संयमित ढंग से प्रयोग में लाना चाहिए।

**कारण : (R)** मधुर वाणी के प्रयोग से संबंधों में तनाव पैदा होता है|

(क) अभिकथन (A) सत्य है परंतु कारण (R) असत्य है।

(ख) अभिकथन (A) असत्य है परंतु कारण (R) सत्य है।

(ग) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

(घ) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता।

**(v) 'हमारी वाणी हमारे व्यक्तित्व का आईना होती है|' - इस कथन को गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए|** **2**

## खंड - ख (व्याकरण)

**3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

(i) दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार अथवा अनुनासिक चिह्न का प्रयोग कीजिए-

(क) सास (ख) आनद (1)

(ii) 'बच्चा' शब्द से भाववाचक संज्ञा बनाइए| (1)

(iii) दिए गए शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता लगाइए- (1)

(क) आवाज (ख) बर्फ

(iv) 'साकार' शब्द का विलोम शब्द लिखिए| (1)

**4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

(i) 'कूल' शब्द में उपसर्ग लगाकर कोई दो नए शब्द लिखिए| (2)

(ii) दिए गए शब्दों में से मूल शब्द व प्रत्यय अलग कीजिए- (2)

(क) मिठास (ख) आर्थिक

**5. निम्नलिखित प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-**

(i) दिए गए वाक्यों में से विशेषण छाँटिए और उसका भेद लिखिए- (2)

(क) राम बुद्धिमान बालक है|

(ख) कप में थोड़ी-सी चाय डाल दीजिए|

(ii) दिए गए वाक्यों में से क्रिया शब्द छाँटिए और उसका भेद लिखिए- (2)

(क) रमेश बाँसुरी बजा रहा है|

(ख) रमा ज़ोर से हँस पड़ी|

(iii) दिए गए वाक्यों में से क्रिया विशेषण शब्द छाँटिए व उसका भेद लिखिए-(2)

(क) बच्चे ध्यानपूर्वक फ़िल्म देख रहे थे|

(ख) पिताजी नीचे बैठकर अख़बार पढ़ रहे थे|

**6. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

(i) दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए- (2)

(क) दानव (ख) अचला

(ii) वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए- (2)

(क) जो संगीत का ज्ञाता हो

(ख) जहाँ पहुँचना सरल हो

(iii) मुहावरों पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (2)

(क) **'मुँह' की खाना'** मुहावरे का इस प्रकार वाक्य में प्रयोग कीजिए जिससे उसका अर्थ स्पष्ट हो जाए|

(ख) उचित मुहावरे का प्रयोग करते हुए रिक्त स्थान भरिए|

**शेर को देखकर नेहा के** ____________________|

## खंड - ग (पाठ्यपुस्तक)

**7. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सही विकल्प को चुनिए-** **(5)**

सावन की शोभा न्यारी, हरियाली के ठाठ हैं|
नदी सरोवर छलक रहे, डूब गए सब घाट हैं|
पता न चलता तारों का, जाने कहाँ मयंक है|
झाँक नहीं पाता सूरज, भादों का आतंक है|
भैया क्वार महीने में, निर्मल होती जलधारा |
मौसम कर देता सारी, हँसी-ख़ुशी का बँटवारा |
कार्तिक में जाड़ा आता, साथ पटाखे फुलझड़ियाँ|
फबती सबके चेहरों पर, मुसकानों की मधु लड़ियाँ|

**(i) हरियाली के ठाठ हैं, क्योंकि -** 1

(क) चारों ओर घाट होते हैं|

(ख) नदी छलकने लगती है|

(ग) पेड़ों के पत्ते सूख जाते हैं|

(घ) चारों ओर हरियाली रहती है|

**(ii) नदी सरोवर के छलकने का क्या कारण है?** 1

(क) बादलों का गरजना|

(ख) अत्यधिक वर्षा होना|

(ग) अत्यधिक जाड़ा पड़ना|

(घ) नदियों का तेज़ी-से बहना|

**(iii) चंद्रमा, तारे और सूरज आकाश में दिखाई क्यों नहीं दे रहे हैं?** 1

(क) चमकती धूप के कारण|

(ख) अँधेरा होने के कारण|

(ग) अमावस्या के कारण|

(घ) बादल छाए रहने के कारण|

**(iv) 'मौसम कर देता सारी, हँसी-खुशी का बँटवारा'- पंक्ति से क्या अभिप्राय है?** 1

(क) मौसम सबको आनंदित करता है|

(ख) मौसम सबको डराकर रख देता है|

(ग) मौसम सबको उदास कर देता है|

(घ) मौसम में कोई बदलाव नहीं होता|

**(v) जाड़े का आरंभ पटाखे और फुलझड़ियों के साथ होता है- इस पंक्ति के द्वारा किसके आने का संकेत दिया गया है?** 1

(क) होली

(ख) गर्मी

(ग) दीपावली

(घ) सर्दी

**8. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर देने के लिए सही विकल्प को चुनिए-** **(5)**

बहुत भयानक दृश्य था| साँप सयाल को निगलना चाहता था और सयाल हिम्मत से उसका मुकाबला कर रही थी| उसकी आवाज़ कमज़ोर हो रही थी| निर्मला ने सयाल की धीमी आवाज़ सुनी... "भाग जा निर्मला|" लेकिन निर्मला अब कैसे भागती, अपनी सहेली को मौत के मुँह में डालकर भाग जाती? तभी उसने देखा कि सयाल में अद्भुत शक्ति आ गई है| उसने एक बार में उस दैत्य को झटककर दूर फेंक दिया और बिजली की तरह भाग खड़ी हुई|

"भाग चल निर्मला... मवेशियों को भी ले चल..."

अब निर्मला भी भागने लगी| उसने पीछे मुड़कर न तो देखा और न देखने का साहस कर सकी| बस भागती रही...भागती रही| कुछ देर बाद पीछे-पीछे सयाल भी आ गई और निर्मला का हाथ पकड़कर दौड़ने लगी|

दोनों बड़ी देर तक हाँफती रहीं और बिना कुछ बोले एक-दूसरे को देखती रहीं| अचानक निर्मला की आँखों से आँसू बहने लगे और उसके होंठ थरथरा उठे|

**(i) गद्यांश में भयानक दृश्य किसे कहा गया है?** 1

(क) जब अजगर ने सयाल को जकड़ा हुआ था|

(ख) जब निर्मला ने साँप को जकड़ा हुआ था|

(ग) जब निर्मला वहाँ से भाग रही थी|

(घ) जब अजगर वहाँ से भाग रहा था|

**(ii) सयाल की आवाज़ कमज़ोर क्यों हो रही थी?** 1

(क) निर्मला के ऊपर चिल्लाने के कारण

(ख) लड़ते-लड़ते थक जाने के कारण

(ग) घिग्घी बँध जाने के कारण

(घ) गला सूख जाने के कारण

**(iii) निर्मला, सयाल के कहने पर भी वहाँ से नहीं भागी क्योंकि-** 1

(क) वह सयाल को खतरे में छोड़कर नहीं जाना चाहती थी|

(ख) वह इतने विशाल अजगर से बहुत डरी हुई थी|

(ग) गंभीर चोट के कारण वह भाग नहीं पा रही थी|

(घ) निर्मला अजगर से लड़ना चाहती थी|

**(iv) अचानक निर्मला की आँखों से आँसू क्यों बहने लगे?** 1

(क) दर्द के कारण (ग) हर्ष के कारण

(ख) पछतावे के कारण (घ) खून बहने के कारण

**(v) सयाल और निर्मला क्यों हाँफ रही थीं?** 1

(क) आपस में लड़ने के कारण| (ग) अजगर से दूर भागने के कारण|

(ख) साँप के पास जाने के कारण| (घ) हार न मानने के कारण|

**9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं छह प्रश्नों के उत्तर दीजिए - (2×6=12)**

(i) राकेश को स्वयं मंच पर आने की आवश्यकता क्यों पड़ी? 'नाटक में नाटक' पाठ के आधार पर लिखिए|

(ii) पाठ 'स्कूल की छुट्टियाँ' के आधार पर लिखिए कि परीक्षा समाप्त होने के उपरांत हैडमास्टर जी ने बच्चों को छुट्टियों में क्या करने की सलाह दी?

(iii) बुढ़िया के घर से लौटते समय लेखक के मन में किस प्रकार के विचार उत्पन्न हो रहे थे? पाठ 'उस रात की बात' के आधार पर लिखिए|

(iv) कवि मनुष्य को समय के साथ चलने के लिए क्यों कह रहा है? 'समय' कविता के आधार पर उत्तर दीजिए|

(v) दुकानदार गरीब बच्चों को अपनी दुकान से क्यों भगाना चाहता था? पाठ 'सवाल का जवाब' के आधार पर लिखिए|

(vi) पाठ 'नाटक में नाटक' के अंत में राकेश ने नाटक को 'बड़ा कलाकार' नाम देने के पीछे क्या कारण बताया?

(vii) 'जीवन एक मुक्ता है' - 'समय' कविता में ऐसा कहने के पीछे कवि का क्या आशय है?

**10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए- (3×2=6)**

(i) तन्मय को अपनी गुल्लक तोड़ने की आवश्यकता क्यों पड़ी? इससे उसकी किन चारित्रिक विशेषताओं का पता चलता है? पाठ 'सवाल का जवाब' के आधार पर उत्तर लिखिए|

(ii) पाठ 'उस रात की बात' के आधार पर लिखिए कि बुढ़िया और लेखक में से किसका चरित्र आपको अधिक प्रभावशाली लगा? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए|

(iii) पाठ 'स्कूल की छुट्टियाँ' के आधार पर लिखिए कि स्वामीनाथन को पिताजी ने क्या कहकर समझाया और क्यों?

## खंड - घ (रचनात्मक लेखन)

**11. निम्नलिखित में से <u>किसी एक</u> विषय पर 80 से 100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए- (5)**

**(क) प्लास्टिक का उपयोग : एक समस्या**

**संकेत बिंदु:**

- पर्यावरण व स्वास्थ्य पर प्रभाव
- वन्य जीवों को नुकसान
- रोकथाम के उपाय

**(ख) मेरा प्रिय त्योहार**

**संकेत बिंदु:**

- त्योहार का नाम और मनाने का समय
- इससे जुड़ी धार्मिक या सांस्कृतिक मान्यता
- त्योहार का हमारे जीवन में महत्त्व

**(ग) मेरी गर्मी की छुट्टियाँ और उनकी यादें**

**संकेत बिंदु:**

- छुट्टियों का बच्चों के लिए महत्त्व
- गाँव, पहाड़ या किसी नई जगह की यात्रा
- परिवार के साथ बिताए पल

**12.** आप रीमा/राघव हैं| अपने मोहल्ले की नियमित रूप से सफ़ाई करवाने का आग्रह करते हुए लगभग 70-80 शब्दों में स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए| (5)

**अथवा**

विद्यालय की बसों में सुरक्षा हेतु कैमरे लगवाने के लिए धन्यवाद देते हुए लगभग 70-80 शब्दों में प्रधानाचार्या जी को धन्यवाद पत्र लिखिए।

**13.** पेड़-पौधे हमारे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक हैं| इस विषय पर शिक्षक व छात्र के बीच होने वाली बातचीत को लगभग 50-60 शब्दों में संवाद रूप में लिखिए| (5)

**अथवा**

पिकनिक पर जाने के लिए पिताजी से अनुमति माँगने के संबंध में पिता व पुत्र के बीच हुई बातचीत को लगभग 50-60 शब्दों में संवाद रूप में लिखिए|

**14. नीचे दिए चित्र को देखकर मन में उत्पन्न होने वाले भावों और विचारों को 60-80 शब्दों में व्यक्त कीजिए| (5)**

**दिनांक :**

**प्रतिदर्श प्रश्नपत्र**

**डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, दिल्ली-एन.सी.आर.**

**अर्धवार्षिक परीक्षा (2025-26)**

**कक्षा - सातवीं, विषय - हिंदी**

**उत्तर-संकेत**

**निर्धारित समय - 3 घंटे** **अधिकतम अंक - 80**

**निर्देश: यदि कोई सही उत्तर परीक्षार्थी ने लिखा हो परंतु निम्नलिखित उत्तर संकेत में सम्मिलित न हो तो उसके यथासंभव अंक दिए जाएँ|**

| क्रम संख्या | उत्तर संकेत | | अंक |
|---|---|---|---|
| | **खंड - 'क' अपठित बोध** | | |
| 1 | (i) (ख) बच्चों के सामने कंप्यूटर रहने लगा है\|<br>(ii) (घ) परस्पर संवाद और निकटता<br>(iii) (ग) अहंकार और असहनशीलता बढ़ी है\|<br>(iv) (घ) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता।<br>(v) ज्ञान का विस्तार होता है\| आपसी प्रेम बढ़ता है\| संवेदनाएँ जागृत होती हैं\| | 1<br>1<br>1<br>1<br><br>2 | (4+2=6) |
| 2 | (i) (घ) विचार और व्यवहार की<br>(ii) (ख) 1, 3 और 4<br>(iii) (ख) शूल की तरह चुभती है\|<br>(iv) (A) सत्य है परंतु (R) असत्य है।<br>(v) वाणी को 'व्यक्तित्व का आईना' कहने का तात्पर्य है कि यह किसी व्यक्ति के विचार, भावनाओं और संस्कारों को प्रकट करती है। जैसे आईना व्यक्ति की बाहरी छवि दिखाता है, वैसे ही वाणी उसके आंतरिक व्यक्तित्व को सामने लाती है। मधुर वाणी व्यक्ति को विनम्र, सुसंस्कृत और प्रभावशाली बनाती है। | 1<br>1<br>1<br>1<br>2 | (4+2=6) |
| | **खंड - 'ख' व्याकरण** | | |
| 3 | (i) (क) साँस (ख) आनंद<br>(ii) बचपन<br>(iii)(क) आवाज़ (ख) बर्फ़ | 0.5+0.5<br>1<br>0.5+0.5 | 4 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | (iv) निराकार | 1 | |
| 4. | (i) अनुकूल, प्रतिकूल (अन्य उत्तर भी मान्य होंगे\|)<br>(ii) मूल शब्द प्रत्यय<br>(क) मीठा आस<br>(ख) अर्थ इक | 1+1<br><br>1+1 | 4 |
| 5 | (i) (क) बुद्धिमान - गुण वाचक<br>(ख) थोड़ी-सी - अनिश्चित परिमाण वाचक<br>(ii) (क) बजा रहा है - सकर्मक<br>(ख) हँस पड़ी- अकर्मक<br>(iii) (क) ध्यानपूर्वक - रीतिवाचक क्रिया विशेषण<br>(ख) नीचे - स्थानवाचक क्रिया विशेषण | 0.5x4<br><br>0.5x4<br><br>0.5x4 | 6 |
| 6 | (i) (क) असुर, निशाचर (ख) पृथ्वी, धरा<br>(ii) (क) संगीतज्ञ (ख) सुगम<br>(iii) (क) विश्व कप में भारत की टीम के सामने विरोधी टीम को मुँह की खानी पड़ी\|<br>(ख) प्राण सूख गए\| | 0.5x4<br>1+1<br>1+1 | 6 |
| | **खंड - 'ग' पाठ्य पुस्तक** | | |
| 7 | (i) (घ) चारों ओर हरियाली रहती है\|<br>(ii) (ख) अत्यधिक वर्षा होना \|<br>(iii) (घ) बादल छाए रहने के कारण<br>(iv) (क) मौसम सबको आनंदित करता है\|<br>(v) (ग) दीपावली | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 | 5 |
| 8 | (i) (क) जब अजगर ने सयाल को जकड़ा हुआ था\|<br>(ii) (ख) लड़ते-लड़ते थक जाने के कारण<br>(iii) (क) वह सयाल को खतरे में छोड़कर नहीं जाना चाहती थी\|<br>(iv) (ख) पछतावे के कारण<br>(v) (ग) अजगर से दूर भागने के कारण | 1<br>1<br>1<br>1<br>1 | 5 |
| 9 | (i) मंच पर नाटक को बिगड़ते हुए देख उसे संभालने के लिए राकेश को स्वयं मंच पर आने की आवश्यकता पड़ी क्योंकि उसके साथी अभिनय के मामले में बिल्कुल नए थे। वे मंच पर आकर डर जाते थे, घबरा जाते थे और कुछ-कुछ बुद्धू भी थे तथा राकेश को उनके बुद्धूपन से डर था।<br>(ii) परीक्षा समाप्त होने के उपरांत हैडमास्टर जी ने बच्चों को छुट्टियों में समय नष्ट न करने की, कहानियों की किताबें पढ़ने की और अगली क्लास | 2<br><br><br><br>2 | (2x6=12) |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | | की किताबों पर नजर डालने की सलाह दी। उन्होंने आशा भी व्यक्त की कि सभी बच्चे अगली क्लास में जाएँगे। | | |
| | (iii) | बुढ़िया के घर से लौटते समय लेखक के मन में बुढ़िया और उसके परिवार के प्रति आदर का भाव उत्पन्न हुआ। उसे अपने किए पर पछतावा हो रहा था। बुढ़िया और उसके परिवार ने लेखक को मानवता का पाठ पढ़ाया था इसलिए लेखक ने तभी सोच लिया था कि वह बुढ़िया द्वारा पढ़ाए गए पाठ पर जीवन भर अमल करेगा। | 2 | |
| | (iv) | कवि मनुष्य को समय के साथ चलने के लिए इसलिए कह रहा है क्योंकि जिस प्रकार डाल से टूटा पत्ता वापिस नहीं जुड़ सकता, उसी प्रकार बीता हुआ समय भी कभी वापिस नहीं आता। समय निरंतर आगे बढ़ता ही रहता है इसलिए मनुष्य को सफलता पाने के लिए समय का सही उपयोग करना चाहिए। | 2 | |
| | (v) | दुकानदार गरीब बच्चों को अपनी दुकान से इसलिए भगाना चाहता था क्योंकि उस दिन बाज़ार में दिवाली के त्यौहार की खरीदारी करने के कारण  बहुत भीड़ थी और वहीं मैले-कुचैले कपड़े पहने कुछ बच्चे खड़े थे जिनके हाथ में एक रुपया तक न था। वे केवल 'विंडो शॉपिंग' करने आए थे। दुकानदार को डर था कि कही वे बच्चे चोर तो नहीं हैं। | 2 | |
| | (vi) | पाठ 'नाटक में नाटक' के अंत में राकेश ने नाटक को बड़ा कलाकार नाम देने के पीछे यह कारण बताया कि 'बड़ा कलाकार' वह है, जो दूसरे की त्रुटियों को नहीं अपनी त्रुटियों को देखें और सुधारे। जिस तरह नाटक में गड़बड़ी होते देख राकेश ने मंच पर आकर अपने साथियों की गलतियों को उजागर न करते हुए, उसने नाटक को संभालने का प्रयास किया। | 2 | |
| | **(vii)** | जीवन को मुक्ता कहा गया है जिसका अर्थ है मोती या अनमोल वस्तु, यानी जीवन भी अनमोल है, पर यह अनमोल जीवन तभी सफल हो सकता है जब हम समय का सही उपयोग करें। | 2 | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 10 | (i) तन्मय को अपनी गुल्लक तोड़ने की आवश्यकता इसलिए पड़ी क्योंकि वह उन गरीब बच्चों की मदद करना चाहता था जिन्हें बाज़ार में दुकानदार ने चोर कहकर डाँट कर भगा दिया था। वह चाहता था कि वे बच्चे भी उसकी तरह खुशी-खुशी त्योहार मना सकें। इससे तन्मय की अच्छी सोच, समझदारी, अमीर-गरीब में भेदभाव न करने व मदद करने की चारित्रिक विशेषताओं का पता चलता है।<br>(ii) बुढ़िया और लेखक के चरित्र में से मुझे बुढ़िया का चरित्र अधिक प्रभावशाली लगा क्योंकि वह मददगार थी। उसने बिना सोचे-समझे लेखक की मदद की। उसने लेखक द्वारा मदद माँगने पर उसकी निस्वार्थ भावना से मदद की। वह बहुत ही संवेदनशील थी जिसमें मनुष्यता की भावना भरी हुई थी। उसने मनुष्यता की भावना को ध्यान में रखते हुए लेखक को पूरी रात अपने घर में रखा व भोजन खिलाया तथा खूब सेवा भी की।<br>(iii) स्वामीनाथन को पिताजी ने यह कहकर समझाया कि यदि वह पढ़ाई-लिखाई की ओर ध्यान नहीं देगा तो वह परीक्षा में उत्तीर्ण नहीं हो पाएगा, उसके मित्र अगली कक्षा में चले जाएँगे और उसे अपने से छोटे बच्चों के साथ पढ़ना पड़ेगा। उन्होंने ऐसा इसलिए कहा ताकि वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान दें और अच्छे अंक प्राप्त करें। | 3<br><br>3<br><br>3 | (3x2=6) |
| | **खंड - 'घ' रचनात्मक लेखन** | | |
| 11 | • विषयवस्तु<br>• भाषा शुद्धता<br>• प्रस्तुति | (3)<br>(1)<br>(1) | 5 |
| 12 | • प्रारूप<br>• विषयवस्तु<br>• भाषा शुद्धता | (1)<br>(3)<br>(1) | 5 |
| 13 | • विषयवस्तु<br>• भाषा शुद्धता<br>• रचनात्मकता | (2)<br>(1)<br>(1) | 5 |
| 14 | • विषयवस्तु<br>• भाषा शुद्धता<br>• प्रस्तुति | (2)<br>(2)<br>(1) | 5 |